दिनांक 11 जनवरी, 2019 को के०बी० महिला महाविद्यालय, हजारीबाग के ''विज्ञान भवन'' के अवसर पर माननीया राज्यपाल महोदया के अभिभाषण के मुख्य बिन्दुः–

- आज का दिन अत्यन्त ही शुभ एवं सुखद है कि के०बी० महिला महाविद्यालय की आधारभूत संरचना विकसित हो रही है। इस महाविद्यालय के विज्ञान भवन के उद्घाटन का साक्षी बनकर मुझे अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है। यहाँ की अध्ययनरत छात्राओं एवं भावी छात्राओं के लिए एक सौगात है।
- प्रसन्नता का विषय है कि सन् 1963 में स्थापित के०बी० महिला महाविद्यालय ने उच्च शिक्षा की अलख जगाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। इस College का नारी शिक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। बालिकाओं को उच्च शिक्षा हेतु प्रेरित करने की दिशा में सार्थक भूमिका का निर्वहन कर रहा है।
- मुझे अवगत कराया गया कि यहाँ की कई पूर्ववर्ती छात्राओं ने अपने ज्ञान, कौशल एवं परिश्रम से विभिन्न क्षेत्रों में सफलताएँ अर्जित की है। इस महाविद्यालय को 2016 में नैक द्वारा 'B++' Grade प्राप्त हुआ है। आशा है कि यह महाविद्यालय शीघ्र ही और अच्छा ग्रेड हासिल करेगा।
- यह हर्ष का विषय है कि इस महाविद्यालय में समय के अनुरूप तथा छात्रों की रूझान को देखते हुए विभिन्न प्रकार

के course संचालित है। आगामी सत्र से PG Diploma in Hospital Management & Medical Lab Technology प्रारंभ किया जा रहा है।

- मैं चाहती हूँ कि हमारे शिक्षण संस्थानों में बेहतर आधारभूत संरचना उपलब्ध हो, अच्छी पुस्तकालय हो, प्रयोगशाला में आवश्यक उपकरण हो, अत्याधुनिक कम्प्यूटर लैब उपलब्ध हो तथा विद्यार्थी सेमिनार में अपनी सक्रिय भागीदारी का निर्वहन करें। वे सिर्फ दर्शक अथवा श्रोता न बने, बल्कि स्वयं की बातें भी रखें।
- राज भवन में मेरे द्वारा टॉपरों के साथ विगत कुछ वर्षों से बैठक की जा रही है। इसका मकसद है कि विद्यार्थियों से feedback प्राप्त करना, उन्होंने अपने शिक्षण संस्थान में क्या अच्छा पाया और क्या कमियाँ रही? हमारे बच्चे Infrastructure & Teachers की कमी का जिक्र करते हैं।
- मैं शिक्षकों की कमियों को दूर करने और शिक्षण संस्थानों में आधारभूत संरचना विकसित करने हेतु पूर्णतः प्रयासरत हूँ। छात्रहित में तत्काल अतिथि शिक्षकों को रखा गया है, वहीं आधारभूत संरचनायें भी विकसित हो रही है। इसके लिए मैं राज भवन में निरंतर कुलपतियों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं शिक्षा विभाग, वित्त विभाग, भू–राजस्व विभाग समेत राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के सचिवों के साथ समीक्षा बैठक करती हूँ।

- विभिन्न जटिलताओं को दूर कर शिक्षा हित में अच्छा करने हेतु सबसे आग्रह करती हूँ। हमारे विद्यार्थी ही तो भविष्य हैं। हम सब आप सभी के लिए बहुत चिन्तित हैं, लेकिन आप सभी का भी कर्त्तव्य है कि आप अच्छा करें, Excellence हासिल करें।
- जहाँ तक बालिका शिक्षा का विषय है, आज हमारी बेटियाँ किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। वे अपनी प्रतिभा से राष्ट्र को गौरवान्वित करने का कार्य कर रही है। आज इन्होंने एक कुशल Doctor, Engineer, Scientist, Educationist, Administrative Officer, Police Officer बनने के साथ खेल में भी अपनी प्रतिभा से अमिट पहचान कायम की है। इसलिए जो आज भी महिलाओं के प्रति रूढ़िवादी विचार रखते हैं, उन्हें अपने ऐसे विचारों पर चिन्तन और मंथन करने की आवश्यकता है। उन्हें अपनी सोच में बदलाव लाते हुए न केवल अपने घर की लड़कियों को पढ़ने हेतु, बल्कि अपने आस-पास व समाज की भी लड़कियों को पढ़ने हेतु encourage करने की जरूरत है।
- हमारी बालिकाएँ ज्ञानवान बनने के साथ नैतिकवान एवं चरित्रवान भी बनें। जीवन में प्रगति के पथ पर अग्रसर होने के लिए इन गुणों का होना नितांत आवश्यक है। सदा निर्भिक होकर जीवन व्यतीत करें और लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ें।

- मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि यहाँ की छात्राओं को Self Defense हेतु कराटे का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मेरे द्वारा महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों में लड़कियों को जूडो-कराटे का प्रशिक्षण देने हेतु निदेश दिया गया था। मैं चाहती हूँ कि इसके द्वारा आत्मरक्षा के तकनीक सीखकर वे मानसिक रूप से भी सशक्त हो।
- इस राष्ट्र को हमारे छात्र/छात्राओं से बहुत अपेक्षाएँ हैं, उम्मीद है कि आप सभी उस पर खड़ा उतरेंगे। हमारे Teachers, छात्राओं को नये Innovative IdeaS के प्रति जागरूक करें, शोध की दिशा में व्यापक प्रयास हो।
- मेरी प्रिय छात्राओं, आप कभी भी अपने-आपको कमजोर न समझें, आपमें असीम प्रतिभा निहित है, इसलिए हमेशा मजबूत इरादे के साथ आगे बढ़ें और अपनी प्रतिभा से सफलता का ऐसा परचम लहरायें कि आपको यह College ही नहीं, बल्कि पूरा राज्य और राष्ट्र आदर्श एवं अनुकरणीय उदाहरण के रूप में पेश करें।
- जहाँ तक बालिका शिक्षा की अहमियत की बात है, तो कहा गया है कि एक बालक पढ़ता है तो वह स्वयं शिक्षित बनता है, पर जब एक स्त्री पढ़ती है तब पूरा परिवार एवं समाज शिक्षित होता है।
- हमारी छात्राओं को समझना होगा कि भू-मंडलीकरण के युग में प्रत्येक कदम आत्मविश्वास के साथ अपना बढ़ाना होगा, ताकि राष्ट्र निर्माण में उनकी सदा प्रभावी योगदान स्थापित

रहें। वे किसी दया की मोहताज न रहें, उन्हें अबला न कहा जाय। वे सशक्त एवं देशभक्त नारी के रूप में अपनी पहचान स्थापित करें।

- एक बार पुनः मैं सभी को शुभकामनायें देती हूँ तथा आशा करती हूँ कि इस महाविद्यालय से भविष्य में ऐसे–ऐसे मेधा सामने निकलकर आयेंगे, जो राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी ख्याति से इस राज्य का नाम रौशन करेंगे।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!